

सेज स्त्री. (तद्.) 1. शय्या, सज्जा बिछौना जो सुंदर एवं कोमल हो 2. वर-वधू का बिछौना जो कोमल, सुंदर हो, शृंगार युक्त (बिछौना)।

सेजपाल पुं. (तद्.) प्राचीन काल में राजा की शय्या पर पहरा देने वाला सैनिक।

सेजरिया स्त्री. (देश.) सेज।

सेजा पुं. (देश.) बंगाल और आसाम में पैदा होने वाला एक पेड़ जिस पर टसर के कीड़े पाले जाते हैं।

सेजिया, सेज्या पुं. (देश.) सेज।

सेझ स्त्री. (देश.) सेज, शय्या।

सेझना अ.क्रि. (तद्.) दूर होना, हटना स.क्रि. दूर करना, हटाना।

सेट पुं. (तत्.) प्राचीन कालीन एक माप या तौल पुं. (अं.) एक साथ पहनी या उपयोग में लाई जाने वाली विविध चीजों का समूह, कुलक उदा. गहनों का सेट, बरतनों का सेट, कपड़ों का सेट।

सेटना अ.क्रि. (देश.) किसी का महत्व, मान तथा विशिष्टता स्वीकार करना।

सेटिल वि. (अं.) सेटिल्ड, विवाद, झगड़ा आदि जो निपट गया हो 2. जो तय या निश्चित हो गया हो, तयशुदा।

सेटिलमेंट पुं. (अं.) कृषियोग्य भूमि की माप के अनुसार उसका राज-कर (महसूल) निर्धारित किए जाने का काम, बन्दोबस्त 2. परस्पर विवाद या झगड़े का निपटारा या समझौता 3. नई बसाई गई जगह।

सेठ पुं. (तद्.) 1. बहुत बड़ा व्यापारी या साहूकार, श्रेष्ठी 2. धनी व्यक्ति 3. महाजन 4. वैश्यों तथा स्वर्णकारों की अल्ल या संबोधन सूचक शब्द 5. दलाल 6. खत्रियों की एक उपजाति, 'सेठी' वि. सेठ की पत्नी, सेठानी।

सेड़ा पुं. (देश.) वह धान जो भादों के माह में होता है।

सेड़ी स्त्री. (तद्.) चेटि, चेडि, चेरी सहेली, सखी।

सेढ़ पुं. (अं.) पाल, बादवान क्रि. (देश.) खोलना, तानना, चढ़ाना, बाँधना-लगाना सेढ़ना मुहा. सेढ़ बजाना- पाल में से हवा निकालना, (ताकि उसे लपेटा जा सके); सेढ़ लपटाना (लपेटना)- रस्सा खींचकर पाल तानना।

सेढ़खाना पुं. (तत्.+फा.) 1. पाल रखने या भरे जाने की जहाज की कोठरी या कमरा 2. पाल बनाए जाने वाला स्थान या कारखाना।

सेत वि. (तद्.) श्वेत, सफेद पुं. पुल।

सेतकता स्त्री. (तद्.) सेवक होने का भाव, धर्म सेवकत्व।

सेतकुली पुं. (तद्.) 1. सफेद जाति के नाग 2. सर्पों के अष्ट कुलों में से एक।

सेतदीप पुं. (तद्.) श्वेतदीप।

सेत-दुति पुं. (तद्.) 'श्वेत-द्युति', चंद्रमा।

सेतना स.क्रि. (देश.) 1. सैतना, संचित करना, इकट्ठा करना 2. संभाल कर रखना।

सेतबंध पुं. (तद्.) 1. सेतुबंध, भगवान राम द्वारा रामेश्वरसम् में बांधा गया सेतु (पुल) जो लंका जाने के लिए समुद्र पर बाँधा गया था।

सेतवा पुं. (तद्.) अफीम काछने की लोहे की कलछी।

सेतवारी स्त्री. (देश.) हरापन लिए हुए चिकनी बलुई मिट्टी।

सेतवाह पुं. (तद्.) 1. चंद्रमा 2. अर्जुन।

सेता वि. (देश.) 1. श्वेत, सफेद उदा. "सेतो सेतौ सब भलो, सेबो भलो न केस।

सेतिका स्त्री. (तद्.) साकेत, अयोध्या नगरी का एक नाम।

सेती क्रि.वि. (तद्.) 1. किसी के प्रति, को 2. द्वारा।

सेतु पुं. (तत्.) 1. ला.अर्थ. बाँधने या बंधन की क्रिया या भाव 2. नदी आदि को पार करने के लिए बनाया गया रास्ता या पुल 3. पुल 4. दूर स्थित दो चीजों को परस्पर मिलाने वाला अंग या संरचना 5. पानी की रुकावट हेतु बाँधा गया बांध 6. खेत की मेंड 7. सीमा, हद 8. सीमा की सूचक कोई रचना जैसे- मेड़।